



सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 19, 1992 (भाद्रपद 28, 1914)
No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 19, 1992 (BHADRA 28, 1914)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

ग्रहरी बैंक विभाग

बम्बई-400018, दिनांक 27 अगस्त 1992

सं० एचवैवि० बी० आर० 115/ए० 18/92-93—बैंक-
कारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के खण्ड
(यक) के साथ पठित धारा 36ए० की उप-धारा (2) के
अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा यह अधिसूचित
करता है कि पालघाट फूड कारपोरेशन ऑफ इण्डिया इम्प्लाईज
कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, पालाक्कड़ केरल उपर्युक्त
अधिनियम की परिभाषा के अंतर्गत सहकारी बैंक नहीं रह
गया है ।

ना० ता० हरीरामाणी,
मुख्य अधिकारी

सं० एचवैवि० बी० आर० 116/ए० 18-92/93—(बैंकारी
विनियम अधिनियम, 1949 की धारा 56 के खण्ड

(यक) के साथ पठित धारा 36ए० की उप-धारा
2य) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा यह
अधिसूचित करता है कि दि मेकमिलान कंपनी इन्फ्रास्ट्रक्चर को-
ऑपरेटिव थ्रिफ्ट एण्ड क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड, मद्रास,
तमिलनाडु उपर्युक्त अधिनियम की परिभाषा के अंतर्गत
सहकारी बैंक नहीं रह गया है ।

ना० ता० हरीरामाणी,
मुख्य अधिकारी

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1992

सं० 6/1992—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित
किया जाता है भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम
1959 की धारा 25, उप धारा (1) के अनुच्छेद (घ)
के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार विमर्श

(3267)

करने के बाद भारतीय स्टेट बैंक श्रीमती कसूम बिग के स्थान पर श्रीमती मंजु शुक्ला, 10/1, न्यू पलासिया, इन्दौर, को स्टेट बैंक आफ इन्दौर के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि दिनांक 1 अगस्त 1992 से 31 जुलाई 1995 (दोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

केन्द्रीय निदेशक मंडल की कार्यकारिणी समिति के आदेशानुसार।

उप प्रबंध निदेशक,
(सहयोगी बैंक)

सं० क्र० 7/1992—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 25, उप धारा (1) के अनुच्छेद (घ) के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार विमर्श करने के बाद भारतीय स्टेट बैंक डा० आर० डी० अग्रवाल के स्थान पर श्री सुशील बोशी, 132, जाओर कपाउड, इन्दौर-452001, को स्टेट बैंक आफ इन्दौर के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि दिनांक 1 अगस्त 1992 से 31 जुलाई 1995 (दोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

केन्द्रीय निदेशक मंडल की कार्यकारिणी समिति के आदेशानुसार।

उप प्रबंध निदेशक,
(सहयोगी बैंक)

दिनांक 25 अगस्त, 1992

सं० क्र० 8 /1992—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम 1959 की धारा 25, उप धारा (1) के अनुच्छेद (घ) के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार विमर्श करने के बाद भारतीय स्टेट बैंक श्री भुर्गाप्रसाद साबू के स्थान पर श्रीमती पुष्पा बोधरा, रानी बाजार, बीकानेर, को स्टेट बैंक आफ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि दिनांक 10 अगस्त 1992 से 9 अगस्त 1995 (दोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

केन्द्रीय निदेशक मंडल की
कार्यकारिणी समिति के आदेशानुसार
उप प्रबंध निदेशक,
(सहयोगी बैंक)

इलाहाबाद बैंक
प्रधान कार्यालय
विधि विभाग

कलकत्ता-700001, दिनांक 18 अगस्त, 1992

सं० एचओ/लिगल/एक्स-29/0646—इलाहाबाद बैंक का निदेशक मंडल, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और

अंतरण) अधिनियम 1970 (1970 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श में और केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से एतद्वारा इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा अधिनियम, 1979 में और संशोधन करने हेतु निम्नलिखित विनियम बनाता है।

2. संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ : (1) यह विनियम इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा (संशोधन) विनियम, 1992 कहा जाएगा।

(2) सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशन की तिथि से यह लागू होगा।

(3) इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1979 में (क) विनियम 35 के स्थान पर निम्नांकित को प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“1-1-1969 से जहां कोई अधिकारी अपनी सेवा के 24 वर्ष पूरे करता है, वह 24 वर्षों से अधिक की प्रत्येक एक वर्ष की सेवा हेतु एक माह की दर से अतिरिक्त बीमारी छुट्टी पाने का पात्र होगा बशर्ते कि अतिरिक्त बीमारी छुट्टी तीन माह से अधिक न हो।”

एल० के० तिवारी,
मुख्य प्रबंधक (विधि)

सं० एचओ/लीगल/334/0647—इलाहाबाद बैंक का निदेशक मंडल बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण अधिनियम 1950 (1970 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करके और केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी में इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979 में और संशोधन करने हेतु निम्नलिखित विनियम बनाता है।

2. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इस विनियम का नाम इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा (संशोधित) विनियम 1992 है।

(2) सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होगा।

(3) इलाहाबाद बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1979 के (क) विनियम 23 के उप विनियम (VIII) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित होगा :—

“(VIII) दिनांक 1-1-1990 से यदि किसी दिन के दौरान उसके कार्य के घंटों को कम से कम दो घंटों के अंतरालों से विभाजित किया जाता है तो र० 35/ प्रतिमाह विभाजित छुट्टी भत्ता।

(ख) विनियम 41 के उप विनियम 4 के स्थान पर निम्नांकित को प्रतिस्थापित किया जाए :—

“(4) 1-6-1991 से नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ-1 में वर्णित श्रेणी/वेतनमान का अधिकारी उसके सामने

स्तम्भ-2 में वर्णित दरों पर विराम भत्ते का हकदार होगा :—

(1)	(2)		
अधिकारियों की श्रेणी/वेतनमान	दैनिक भत्ता (रुपए)		
	प्रमुख “क” बग नगर	क्षेत्र-1	अन्य स्थान
वेतनमान IV एवं उससे ऊपर के अधिकारियों	120.00	100.00	85.00
वेतनमान I/II/III के अधिकारियों	100.00	85.00	75.00

वर्णित कि

(क) यदि अनुपस्थिति की कुल अवधि 8 घंटे से कम लेकिन 4 घंटे से अधिक है तो उपयुक्त दरों से आधी दरों पर विराम भत्ता दिया जाएगा।

(ख) विभिन्न श्रेणी/वेतनमान के अधिकारियों को नीचे दी गई सीमाओं के अधीन आई० टी० डी० सी० होटलों में एकल कमरे के आवासीय प्रभार पर सीमित वास्तविक होटल व्यय की प्रतिपूर्ति की जा सकेगी —
भोजना खर्च (रुपए)

श्रेणी वेतनमान	ठहरने की पात्रता	प्रमुख “क” बग नगर	क्षेत्र-1	अन्य स्थान
(1)			(2)	
वेतनमान VI एवं VIII	4* होटल	120.00	100.00	85.00
वेतनमान IV एवं V	3* होटल	120.00	100.00	85.00
वेतनमान II एवं III	2* होटल (गैर वातानुकूलित)	100.00	85.00	75.00
वेतनमान I	1* होटल (गैर वातानुकूलित)	100.00	85.00	75.00

(ग) जहां बैंक के खर्च पर/बैंक द्वारा निःशुल्क आवास की व्यवस्था की जाती है वहां विराम भत्ते का 3/4 अनुज्ञेय होगा।

(घ) जहां बैंक के खर्च पर/बैंक द्वारा निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की जाती है वहां विराम भत्ते का 1/2 अनुज्ञेय होगा।

(ङ) जहां बैंक के खर्च पर/बैंक द्वारा निःशुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था की जाती है वहाँ विराम भत्ते का 1/4 अनुज्ञेय होगा। यद्यपि जहां कोई अधिकारी भोजन खर्च का दावा वास्तविक खर्च करने पर बिल बिना प्रस्तुत किए घोषणा के आधार पर करता है तो वह विराम भत्ते का 1/4 पात्र के पात्र नहीं होगा।

(च) दिनांक 1-1-1987 से समस्त निरीक्षण अधिकारियों को निरीक्षण कार्य पर मुख्यालय से बाहर विराम के लिए प्रतिदिन रु० 10- के हिसाब से अनुपूरक दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण

विराम भत्ते की संगणना के लिए “प्रतिदिन” से 24 घंटे की प्रत्येक अवधि और उसका परवर्ती भाग अभिप्रेत है जिसकी गणना वायुयान द्वारा यात्रा की दशा में प्रस्थान हेतु रिपोर्ट करने के समय से तथा अन्य दशाओं में प्रस्थान के निर्धारित समय से, आगमन के वास्तविक समय तक की जाएगी। जहां अनुपस्थिति की कुल अवधि 24 घंटे से कम है वहां “प्रतिदिन” से कम से कम 8 घंटे की अवधि अभिप्रेत है।

(ग) विनियम 44 के उप विनियम (II) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित होगा :—

“(II) 1-6-1991 से प्रत्येक चार वर्ष में एक बार जब कोई अधिकारी छुट्टी यात्रा रियायत की सुविधा लेता है तो उसे एक बार में एक माह से अनाधिक की अपनी साधिका छुट्टियां अभ्यर्पित करने तथा उसे भुनाने की अनुमति दी जा सकती है। विकल्पतः उसे दो वर्ष के एक ब्लाक में अपने स्थान पर की यात्रा

और दूसरे ब्लॉक में भारत में किसी स्थान की यात्रा के समय प्रत्येक ब्लॉक में अधिकतम 15 दिनों की साधिकार छुट्टियां भुनाने या एक ब्लॉक में 30 दिनों की साधिकार छुट्टियां भुनाने की अनुमति होगी। छुट्टी की भुनाई के लिए उस माह जिसके दौरान छुट्टी यात्रा रियायत प्रारम्भ होती है हेतु देय समस्त परिलब्धियां स्वीकार्य होंगी।

तथापि किसी अधिकारी का उसकी इच्छा पर प्रधानमंत्री राहत कोष में दान हेतु एक दिन की अतिरिक्त साधिकार छुट्टी भुनाने की अनुमति दी जाएगी। बशर्ते कि वह राहत कोष में राशि जमा करने हेतु बैंक को प्राधिकृत करते हुए इस आणय का पत्र दे।

एल० के तिवारी,
मुख्य प्रबन्धक (विधि)

द इन्स्टीच्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया

कलकत्ता-700016, दिनांक 11 अगस्त 1992

सं० 16-सी० डब्ल्यू० आर० (1137-1139)/92--
द कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स विनियम 1959 के विनियम 16 का अनुसरण करते हुए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 की धारा 20 की उपधारा (1) (ए) के तहत दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए सदस्य पत्रिका से निम्नलिखित नामों को निकाल दिया गया है :—

1. डा० एस० ए० सहस्र बुद्धे, एम० ए० एम० काम पी० एच० डी०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए० प्लॉट 41, सहस्र बुद्धे ले आऊट, भारत नगर, नागपुर-440001 (सदस्य सं० 7231)—16 फरवरी 1992 से प्रभावी।
2. श्री टी० के० नटराजन ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए० 10/405, संगीथा 7 वां क्रॉस रोड चैम्बर, बम्बई-400071 (सदस्य सं० 68) 26 फरवरी 1992 से प्रभावी।
3. श्री बी० सी० व्यंकटेश, ए० सी० आई० एस० ए० सी० एस० ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए० जे०/10-16, जल मन्दिर, बांगड नगर, गोरेगांव वैस्ट, बम्बई-400090 (सदस्य सं० 1440) 22 अप्रैल 1992 से प्रभावी, मृत्यु के कारण।

एस० आर० आचार्य,
मेम्बर

सं० 18-सी० डब्ल्यू० आर० (269-272)/92--एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स विनियमन 1959 के विनियमन 18 का अनुसरण करते हुए उक्त विनियमन के विनियमन 17 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए द इन्स्टीच्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स

एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया की काउन्सिल ने अपने सदस्य पंजी में नाम पुनः दर्ज कर लिये हैं :—

1. श्री एस० एस० चौधुरी,
बी० काम, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०,
चांदनी चौक डा० घ० मकराना, 341505,
(राजस्थान)
(सदस्यता सं० 2341) 2 मई, 1992 से प्रभावी।
2. श्री पी० एम० श्रीवास्तव,
एम० काम, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०,
उप-प्रबन्धक, सेल, मिलाई स्टील प्लांट, मिलाई--
490001
सदस्यता सं० 2282, दिनांक 7 जुलाई, 1992 से प्रभावी
3. श्री पी० एम० सेशन,
बी० एस० सी०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०,
वरिष्ठ वित्त प्रबंधक, आई० ओ० सी० एल०
139 ननगमबक्कम हार्ड रोड, मद्रास-34
(सदस्य सं० 1571) 20-7-1992 से प्रभावी
4. श्री एस० एस० मुन्नाकर,
बी० काम, एल० एल० बी०, एफ० सी० ए०,
एफ० सी० एम० एम० सी० आई० एम० (लन्दन)
ए० सी० आई० एस० (लन्दन) प्रेन्कोस,
एम० बी० ए०, पी० एच० डी०, ए० आई० सी० डब्ल्यू०
ए०, पोस्ट वावस 1453, बान्द्रा, बराट,
इन्डोनेशिया।
(सदस्य सं० 5266) 20 जुलाई 1992 से प्रभावी

एस० आर० आचार्य,
सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1992

स० एन-15/13/14/4/86-या० एवं० वि०--(2)
कर्मचारी राज्य बीमा सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-8-92 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा तमिलनाडु कर्मचारी राज्य बीमा निगम-1954 में निदिष्ट चिकित्सा हितलाभ तमिलनाडु राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में शीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जाएंगे।

अर्थात् :

“चंगलपट्टू एम० जी० आर० जिले में चंगलपट्टू तालुक के मराईमलाई नगर के राजस्व ग्राम निन्नकराई पीगम-नूर, पोथेरी, कट्टनकोलायूर, कल्लिवेवापट्टू किल्ला-करलाई, थीरुक्कटाचूर, अपयनचैरी, किलमपरकम, टेनुकुडम और गुडववेरी क्षेत्र के राजस्व ग्राम करानाईपट्टू चेरी,

कर्मचारी, कयारामबड़, बृहस्पति मध्यकृष्ण (बृह-
पक्षम) बालनखेरी, समयवकम, गुरुवखेरी।

एम. घोष,
मयूक्त बीमा आयुक्त

म. एन-15/13/1/10/90-यो. ए. वि. (2) कर्म-
चारी राज्य बीमा सामान्य विनियम-1950 के विनियम
95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948
(1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों के
अनुसरण में महानिदेशक ने 1-8-92 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित
की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा आन्ध्र प्रदेश कर्म-
चारी राज्य बीमा निगम 1955 में निर्दिष्ट भित्तिमा हितलाभ
आन्ध्र प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकित व्यक्तियों
के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात्:

“विजयवाड़ा की नगर पालिका बीमाओं के अन्तर्गत
आने वाले क्षेत्र उन क्षेत्रों के मित्राय जहाँ उक्त प्रावधान
पहले ही प्रवृत्त किए जा चुके हैं।”

एम. घोष,
मयूक्त बीमा आयुक्त

श्रीम. मन्त्रालय

केंद्रीय भाविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110001. दिनांक 31 अगस्त 1992

सं. 2/1959/डी. एल. आर्. एस्. एम्/89/भाग-1/
2560—जहाँ मैमर्स हांजी फेबरीकेशन कम्पाइन्स, सी-1 मंड,
इण्डस्ट्रियल एस्टेट, नान अलगड-57031 (कॉ. एन./13699)
में कर्मचारी भाविष्य निधि और प्रकीर्ण उपदान अधिनियम,
1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा 2(क) के
अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है।) जिस इस्म- इसके
एकानु उक्त अधिनियम कहा गया है।

चर्चा में, बी. एन. सोम, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त
इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कांई अलग
अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप
में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का
लाभ उठा रहे हैं, जॉकि एंसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी
निर्देश सहस्रद्व बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों
से अधिक अनुकूल है। (जिस इस्म- इसके पश्चात स्कीम कहा
गया है)।

उक्त उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क)
द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न
अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मी. बी. एल. सोम,
उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस
निधि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भाविष्य निधि आयुक्त कर्मचारी

ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष
की अवधि के लिए उक्त स्कीम में संचालन की छूट देता है।
दिनांक 1-3-91 से 28-2-94 तक)।

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें
इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भाविष्य
निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेंगे और ऐसे लेखा
रखने तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेंगे,
जो केंद्रीय भाविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट
करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक माम को
समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेंगे जो केंद्रीय सरकार,
उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा 3(क) के सन्दर्भ-
के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत
लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा
प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का
संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक
द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक
बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशो-
धन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की
वह संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के
गृहना पट्ट पर प्रदर्शित करेंगे।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भाविष्य निधि का या
उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना का भाविष्य
निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित
किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के
रूप से उसका नाम तुरन्त दर्ज करेंगे और उसकी बाबत आवश्यक
प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेंगे।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ
प्राप्त होते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-
चारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने
की व्यवस्था करेंगे, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक
बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हों जो
उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी
यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंध
राशि में कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय
होनी जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी
के विधिक वारिश/नामनिर्देशितों को प्रतिफल के रूप में दोनों
राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेंगे।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पड़ने अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों का प्राप्ति होने वाले किसी राशि से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस निश्चय तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययक्त हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत क्रम की वधा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्धारित या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संवन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्धारित/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,
केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1
2568—जहां मेंसंस दि के. सी. पी. लिमिटेड. लक्ष्मीपुरम,
यूनिट, धुगुस (ए. पी./1209) ने कर्मचारी भविष्य निधि और
प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) को
धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए
आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम
कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त
इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग
अंशदाय या प्रीमियम की अवसंधी किये बिना जीवन बीमा के रूप
में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का
नाम उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी
निर्देश अधिवर्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों
से अधिक अनुकूल है। (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा
गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत
सरकार/केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. 2/
1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1 दिनांक 22-2-91
के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते
हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचा-
नन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट
प्रदान करता हूँ, दिनांक 1-3-92 से 28-2-95 तक लागू
होना जिसमें यह तिथि 28-2-95 भी शामिल है।

अनुसूची-1]

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसमें इसको
पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य
निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसे लेखा
खर्चा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूचिवाएं प्रदान करेगा जो
केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की
समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार,
उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-
समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत
लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना,
बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तर्ण, निरीक्षण प्रभारी
का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का गहन नियोजक
द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक
बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें
संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों
की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद
स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि
का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना
की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में
नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम
के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी
वर्तित आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय
करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ
बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-
चारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप में वृद्धि किए जाने
को व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक
बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो
उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात को होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वंश में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, निर्वाजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना धित्कोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी भी राशि से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का भुगतान करने में असफल रहता है और पालिसी का अग्रगण्य हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि बच्चे छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई/एकजम/89/भाग-1/
2576—जहाँ मैसर्स मै. वीनटैक्स मोटर कंट्रोल गीयर इण्डस्ट्रीज, बी-65, नगरण इण्डस्ट्रियल एरिया फेज-2, नई दिल्ली-110028 (जो. एल./7831) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, अतः ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी विशेष श्रद्धांश बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों

में अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके माध्यम से संलग्न अनुसूची में उल्लिखित बातों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिमा निर्दिष्ट से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त दिल्ली से स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत वीम प्रदान की है, 3 वर्षों की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ। दिनांक 1-12-86 से 30-11-89 और 1-12-89 से 30-11-92 तक)।

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी का उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्दिष्टों को प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अन्तर्गत बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन गम्यन्वित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिशुद्ध अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उप सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पत्रों में अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी राशि से कम हो जाते हैं तो यह खर्च की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी की व्यवस्था हो जाने दिया जाता है तो छूट खर्च की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत मधुरों के नाम निर्दिष्टों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसे प्रत्येक नाम निर्दिष्टों/विधिक वारिसों को बीमाप्राप्त राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/
2584—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 का 19 की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

भूँकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की आवश्यकता किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, ताकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवर्धन बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्तर्गत है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के मामले (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गृजगत/बहुोदा ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत विल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संभावना की छूट देता हूँ।

अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल सं०
1	2	3	4	5
1.	मैसर्स वाला जी इंडस्ट्रीज, ए-27, जी० आई० डी० सी०, एनटालिया, बिल्लीमोरा-396321।	गृज०/9524	1-5-90 से 30-4-93	2/4209/92- डी० एल० आई०
2.	मैसर्स अन्नदालया' नेशनल डेरी डेवलपमेंट बोर्ड कैम्पस, आनन्द-388001।	गृज०/13901	1-8-91 से 31-7-94	2/4210/92- डी० एल० आई०
3.	मैसर्स सपरिम स्पेशलिस्ट्स नियंत्र लक्की स्टुडियो पोस्ट मधसर ताल, हानोल, जिला पंचमहल गुजरात।	गृज०/15874	1-1-92 से 31-12-94	2/4211/92- डी० एल० आई०
4.	मैसर्स सागर सपरिम प्रा० लि०, नियंत्र लक्की स्टुडियो, पोस्ट मधसर ताल, हानोल, जिला पंचमहल (गृज०)	गृज०/15935	1-1-92 से 31-12-94	2/4212/92- डी० एल० आई०

अनुसूची-III

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अपने निरीक्षण में लेगा और उसे उक्त स्थापना के निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समस्त-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रशारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, शिवरिणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभाव का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के दिवसों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के मञ्चन पटल पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पञ्चने से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के प्रारम्भ के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप में वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक

बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात को होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वक्ता में संवेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधक वारिसों/गामनिर्देशितों के प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त स्थापना प्रशासन के पूर्व कर्मचारियों को अपना स्वरिणों स्पष्ट करने का अधिकार देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति में कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम तय करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालनी को व्ययगत हो जाने बिना अपना है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी धितिक्रम की दृष्टि में उन मन्त्र सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
URBAN BANKS DEPARTMENT
Bombay-400 018. the 27th August 1992

No. UBD.BR.115/A.18/92-93.—In pursuance of sub-section (2) of Section 36A read with clause (Za) of Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949, the Reserve Bank of India hereby notifies that the Palghat Food Corporation of India Employees' Co-operative Society Ltd., Palakkad, Kerala has ceased to be a co-operative bank within the meaning of the said Act.

N. T. HARIRAMANI
Chief Officer

No. UBD.BR.116/A.18/92-93.—In pursuance of Sub-Section (2) of Section 36A read with clause (Za) of Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949, the Reserve Bank of India hereby notifies that the Macmillan Company Employees' Co-operative Thrift & Credit Society Ltd., Madras, Tamil Nadu has ceased to be a co-operative bank within the meaning of the said Act.

N. T. HARIRAMANI
Chief Officer

STATE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
Bombay, the 12th August 1992

No. 6/1992.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of Section

25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Reserve Bank of India, nominated Smt. Manju Shukla, 10/1, New Palasia, Indore, as Director on the Board of State Bank of Indore for a period of 3 years with effect from 1st August 1992 to 31st July 1995 (both days inclusive) in place of Smt. Kusum Wig.

By Orders of the Executive
Committee of Central Board
Sd./- ILLEGIBLE

Dy. Managing Director
(Associate Banks)

No. 7/1992.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of Section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Reserve Bank of India, nominated Shri Sushil Doshi, 132, Jaora Compound, Indore-452 001, as Director on the Board of State Bank of Indore for a period of 3 years with effect from 1st August 1992 to 31st July 1995 (both days inclusive) in place of Dr. R. D. Agrawal.

By Orders of the Executive
Committee of Central Board
Sd./- ILLEGIBLE

Dy. Managing Director
(Associate Banks)

The 25th August 1992

No. 8/1992.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of Section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Reserve Bank of India, nominated Smt. Pushpa Bothra, Rani Bazar, Bikaner, as Director on the Board of State Bank of Bikaner & Jaipur for a period of 3 years with effect from 10th August 1992 to 9th August 1995 (both days inclusive) in place of Shri Durga Prasad Saboo.

By Orders of the Executive
Committee of Central Board
Sd./- ILLEGIBLE

Dy. Managing Director
(Associate Banks)

ALLAHABAD BANK

HEAD OFFICE

LEGAL DEPARTMENT

Calcutta-700001, the 18th August 1992

No. HO/Legal/X-29/0646.—In exercise of the powers conferred by section 19 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board

of Directors of Allahabad Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulation further to amend the Allahabad Bank (Officers') Service Regulations, 1979.

2. Short title and commencement : (1) This Regulation may be called the Allahabad Bank (Officers') Service (Amendment) Regulation, 1992.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

(3) In the Allahabad Bank (Officers') Service Regulation, 1979 (a) for the Regulation 35, the following shall be substituted, namely :—

"On and from 1-1-1969 where an officer has put in a service of 24 years, he shall be eligible to additional sick leave at the rate of one month for each year of service in excess of 24 years subject to a maximum of three months of additional sick leave".

I. K. TIWARI
Chief Manager (Law)

No. HO/Legal/334/0647.—In exercise of the powers conferred by section 19 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of Allahabad Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with previous of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Allahabad Bank (Officer's) Service Regulations, 1979.

2. Short title and commencement : (1) This Regulation may be called the Allahabad Bank (Officer's) Service (Amendment) Regulations, 1992.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette

(3) In the Allahabad Bank (Officer's) Service Regulations, 1979.

(a) for the sub-regulation (viii) of regulation 23, the following shall be substituted, namely:—

"(viii) On and from 1-1-1990, if his working hours during a day are split with minimum interval of 2 hours, a split Duty Allowance of Rs. 35/- p.m."

(b) for the sub-regulation 4 of regulation 41, the following shall be substituted, namely :—

"(4) On and from 1-6-1991 an officer in the Grades/Scales set out in Column 1 of the Table below shall be entitled to Haltns. Allowance at the corresponding rates set out in Column thereof :—

(1)	(2)	Daily Allowance (Rupees)		
Grades/Scales of Officers	Major A' Class Cities	Area-I	Other places	
Officers in Scale-IV and above	120.00	100.00	85.00	
Officers in Scale-I/II/III	100.00	85.00	75.00	

Provided that

- (a) Where the total period of absence is less than 8 hours but more than 4 hours, Halting Allowance at half the above rates shall be payable.

- (b) Officers in various Grades/Scales may be reimbursed the actual hotel expenses, restricting to single accommodation charges in ITDC Hotels, subject to the limits as given below :—

Grades/Scales	Eligibility to say	Boarding Charges (Rupees)		
		Major 'A' Class Cities	Area-I	Other places
Scale-VI & VII	4*Hotel	120.00	100.00	85.00
Scale-IV & V	3*Hotel	120.00	100.00	85.00
Scale-II & III	2*Hotel (Non-AC)	100.00	85.00	75.00
Scale-I	1*Hotel (Non-AC)	100.00	85.00	75.00

- (c) Where lodging is provided at Bank's cost/Arranged through the Bank free of cost, 4th of the Halting Allowance will be admissible.

- (d) Where boarding is provided at Bank's cost/arranged through the Bank free of cost, 4th of the Halting Allowance will be admissible.

- (e) Where lodging and boarding are provided at Bank's cost/arranged through the Bank free of cost, 4th of the Halting Allowance will be admissible. Where, however, an officer claims boarding expenses on a declaration basis without production of bills for actual expenses incurred, then he shall not be eligible for 4th of the Halting Allowance.

- (f) On and from 1-1-1987 a Supplementary Diem Allowance of Rs. 10/- per day of halt outside headquarters on inspection duty shall be paid to all inspecting officers.

Explanation

For the purpose of computing Halting Allowance "per diem" shall mean each period of 24 hours or any subsequent part thereof, reckoned from the reporting time for departure in the case of air travel and the scheduled time of departure in other cases, to the actual time of arrival. Where the total period of absence is less than 24 hours, "per diem" shall mean a period of not less than 8 hours."

(c) for the sub-regulation (ii) of regulation 44 the following shall be substituted :—

"(ii) On and from 1-6-1991 once in every 4 years when an officer avails of Leave Travel Concession he may be permitted to surrender and encash his Privilege Leave not exceeding one month at a time. Alternatively, he may whilst travelling in one block of two years to his home town and in other block to any place in India, be permitted encashment of Privilege Leave with a maximum of 15 days in each block or 30 days in one block. For the purpose of leave encashment all the emoluments payable for the month during which the availment of the Leave Travel Concession commences shall be admissible.

Provided that an officer at his option shall be permitted to encash one day's additional privilege leave for donation to the Prime Minister's Relief Fund subject to his giving a letter to Bank to that effect and authorising the Bank to remit the amount to the Fund".

L. K. TIWARI

Chief Manager (Law)

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-700 016, the 11th August 1992

No. 16-CWR(1137-1139)/92.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it

is hereby notified that in exercise of powers conferred by sub-section (1)(a) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, the names of (1) Dr. S.A. Sahasrabudne, MA, MCOM, PhD, AICWA, Plot 41, Sahasrabudne Layout, Bharat Nagar, Nagpur-440 001, (Membership No. 7231) with effect from 16th February 1992, (2) Shri T. K. Narayan, AICWA, 10/405, Sangeetha, 7th Cross Road, Chembur, Bombay-400071, (Membership No. 68), with effect from 26th February 1992, (3) Shri B. C. Venkatesh, ACIS, ACS, AICWA, J/10-16, Jal Mandir, Bangur Nagar, Goregaon West, Bombay-400090 (Membership No. 1440), with effect from 22nd April 1992, on account of death.

S. R. ACHARYYA

Secretary

No. 16-CWR(269-272)/92.—It is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has restored to the Register of Members, the names of (1) Shri S. S. Chaukhra, BCOM, AICWA, Chandni Chowk, P.O. Makrana-341505 (Raj), (Membership No. 2344), with effect from 2nd May 1992, (2) Shri P. M. Srivastava, MCOM, AICWA, Dy. General Manager, SAIL, Bhilai Steel Plant, Bhilai-490001 (Membership No. 2282), with effect from 7th July 1992, (3) Shri P.S. Seshan, BSC, AICWA, Sr. Finance Manager, I.O.C.L., 139, Nungambakkam, High Rd., Madras-34, (Membership No. 1571), with effect from 20-7-1992, (4) Shri S. S. Mudholkar, BCOM, LLB, FCA, FCS, MBIM (LONDON), ACIS (LONDON), FRECONS, MBA, PHD, AICWA, Post Box-1453, Bandung, Jawa Barat, Indonesia, (Membership No. 5266), with effect from 20th July 1992.

S. R. ACHARYYA

Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 19th August 1992

No. N-15/13/14/4/86-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-8-92 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Tamil Nadu Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Tamil Nadu namely :—

"Areas comprising the revenue village of Ninnakkarai, Peramanur, Potheri, Kattankolathur, Kalivanthapattu, Kilakkaralai, Thirukatchur, Ayyancheri, Kilamparkam and Sengundram in Maraimalai Nagar and Karanaipuducheri, Kayarambedu, Kannivakkam, Pudupakkam Sathan-kuppam (Pudupakkam Vallancheri, Mambakkam and Guduvancheri in Chengalpattu Taluk in Chengalpattu MGR District."

S. GHOSH

Jt. Insurance Commissioner

No. N-15/15/1/10/90-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-8-92 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely :—

"The areas comprising of the Municipal limits of Vijaya wada in addition to the areas in which the said provision of the Act have already been brought into force".

S. GHOSH

Jt. Insurance Commissioner

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-110 001, the 31st August 1992

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt.I/2560.—WHEREAS M/s Housi Fabrication Combines, C-I Shed, Industrial Estate, Nan Jangud-57031 (KN/13699) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-3-91 to 28-2-94.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer

of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt. I/2568.—WHEREAS The K.C.P. Ltd, Lakshmiapuram Unit, Vuyyuru, (AP/1209) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the

Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in contribution of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. notification no. 2/1959/DLI/Exem/89/Part. I Dated 22-2-91 and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B.N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years with effect from 1-3-92 to 28-2-95 upto and inclusive of the 28-2-95.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp./89/Pt. I/2576.—WHEREAS M/s. Bentex Motor Control Gear Inds., B-65, Naraina Indl. Area., Phase-II, New Delhi-110028, Code No. DL/7831, have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I B.N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and Subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 Years from 1-12-86 to 30-11-89 & 1-12-89 to 30-11-92.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exempt./89/Pt.12584.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, In exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Gujarat/Branch from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sr. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s Balajee Industries, C-2/7, GIDC, Andolia, Bilimora-396321	GJ/9524	1-5-90 to 30-4-93	2/4209/92-DLI
2.	M/s Anandshya National Dairy Development Board Campus, Anand-388001.	GJ/13901	1-8-91 to 31-7-94	2/4210/92-DLI
3.	M/s Springs Specialists, Near Lucky Studio, Post Maghasar Tal, Halol, Distt. Panch Mahal (GJ)	GJ/15874	1-1-92 to 31-12-94	2/4211/92-DLI
4.	M/s Sagar Springs Pvt. Ltd., Near Lucky Studio, Post Maghasar Tal Distt. Panch Mahal (GJ).	GJ/15935	1-1-92 to 31-12-92	2/4212/92-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM

Central Provident Fund Commissioner

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay-400020, The 25th August 1992

CORRIGENDA

No. UT/DBDM/456A/SPD-187/92-93—The following corrections in our notification No. UT/DBD&M/1088 A/SPD 187/91-92 dated 27th May, 1992 published on page Nos. 2488 to 2493 in the Gazette of India (Part III Section 4) dated June 13, 1992.

Growing Monthly Income Unit Scheme—1992 (II) (GMIS 92) (II)

S. No.	Page No.	Col. No.	Clause/Subclause	Corrections
1	2488	1		In the 1st paragraph, in the 3rd line the word "GMIS 92 (ii)" should be corrected as GMIS 92(II).
2	2488	1	I	In the heading the, the words "Government" should be replaced by "commencement"
3	2488	1	I	In the 20th line, the word "unitrholders" should be corrected by "unitholders"
4	2488	2	II(c)	In the 4th line, the word "handicaped" should be corrected as "handicapped"
5	2488	2	II(f)	In the 4th line, the word "practioner" should be corrected as "practitioner"
6	2489	1	IV 1(b)	In the 3rd line, the word "audit" should be corrected as "adult"
7	2489	1	IV 1(c)	In the 2nd line, the word "including" should be corrected as "including"
8	2489	1	IV-4(i)	In the 2nd line, the word "shal" should be replaced by "shall"
9	2489	1	IV-4(ii)	In the 12th line, the word "units" should be corrected as "units"

S. No.	Page No.	Col. No.	Clause/Subclause	Corrections
10	2489	2	IV-4(iv)	In the 12th line, the word "shal" should be corrected as "shall"
11	2489	2	VI(3)	In the 2nd line, the word "sub-clauses" should be corrected as "sub-clauses"
12	2490	1	VI(5)	In the 3rd line, the word "Disttribution" should be corrected as "Distribution"
13	2490	1	VI (7)	In the 6th line, the word "purchase" should be corrected as "repurchase"
14	2491	1	XIII(2)	In the 7th line, the word "subjectt" should be corrected as "subject"
15	2491	1	XIII(2)	In the 8th line, the word "chome" should be corrected as "Scheme"
16	2491	1	XIV(1)	In the 2nd line, the word "mutilatted" should be corrected as "mutilated"
17	2491	1	XIV(1)	In the 7th line, the word "intitled" should be corrected as "entitled"
18	2491	1	XIV(2)	In the 1st line, the word "lability" should be corrected as "liability"
19	2491	2	XV(3)	In the 1st line, the word "colsed" should be corrected as "closed"
20	2492	2	XX(5)	In the 2nd column in the 3rd line, the word "unitholder" should be corrected as "unitholder"
21	2493	1	XXII-A(8)	In the 1st line, the word "Nothwithstanding" should be corrected as "Notwithstanding"
22	2493	2	XXV	In the 12th line, the word "received" should be corrected as "received"
23	2493	2	XXVII	In the heading, the word "of" should be corrected as "to".

S.K. DASGUPTA
Deputy General Manager
(Business Devt. & Mktg.)